संत शिरोमणि रविदास जयंती समारोह, बडखेड़ा पठानी में राज्य स्तरीय कार्यक्रम
16 फरवरी 2022
मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का संबोधन

मेरे प्रिय बहनों और भाइयों, पहले हम सब श्रद्धा सहित प्रेम से बोलेंगे - बोलिए सतगुरु संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की...जय

इस अवसर पर भोपाल में मंच पर उपस्थित परम पूज्य संत गण मैं दोनों हाथ जोड़कर यहीं से प्रणाम करता हूं आज मैं उनका स्वागत करता माला पहनाता उनका आशीर्वाद लेता, लेकिन कोविड-19 के संक्रमण के कारण मैं उपस्थित नहीं हो पाया, मैं क्षमा प्रार्थी हूं, माफी मांगता हूं, और कोई बीमारी हो जाती तो मैं नहीं रुकता लेकिन कोविड-19 में मर्यादाओं का कोविड गाइड लाइन का पालन करना पड़ता है, इसलिए आज मैंने सतगुरु की यही पूजा की, उनकी जयंती के उपलक्ष में पेड़ भी लगाया अकेले, आज मैं सभी संतो को प्रणाम करता हूं, परम पूज्य संत किशनदास जी महाराज सहित सभी संत गण विराजे हैं, मेरा प्रणाम स्वीकार कीजिएगा, फिर कभी आकर मैं प्रत्यक्ष भेंट जरूर आपसे करूंगा, आपका आशीर्वाद लूंगा।

मंच पर विराजमान विभाग की यशस्वी मंत्री बहन मीना सिंह जी, हमारे राष्ट्रीय नेता अनुसूचित जाति समाज के गौरव गर्व राष्ट्रीय हमारे अध्यक्ष पूर्व मंत्री भाई लाल सिंह आर्य जी, वह इस आयोजन में पधारे, मैं उनका स्वागत करता हूं, मेरे मंत्रिमंडल के बहुत कुशल और योग्य मंत्री जिन्होंने सिद्ध कर दिया है के कर्तव्य निष्ठा से कोरोना को कैसे हराया जा सकता है डॉ. प्रभुराम चौधरी जी, हमारे प्रदेश के अनुसूचित जाति मोर्चा के यशस्वी अध्यक्ष आदरणीय कैलाश जाटव जी, हमारी बहन क्षेत्रीय यशस्वी और लोकप्रिय विधायिका श्रीमती कृष्णा गौर जी, हमारे इस अवसर पर विराजमान सवार सोनकर जी, लेकिन केवल भोपाल में ही यह लोग नहीं जुड़े हैं, प्रदेश में हर जिला मुख्यालय पर कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है, हर पंचायत पर कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है, हमारे प्रदेश अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी के श्री बीडी शर्मा जी कटनी से जुड़े हैं, मेरे मंत्रिमंडल के सदस्य साथी गण पूरे प्रदेश में अलग-अलग स्थानों से जुड़े हैं, मेरे प्रिय बहनों भाइयों, भांजे भांजियों दोनों हाथ जोड़कर मैं प्रणाम करता हूं संत रविदास जी के चरणों में।

आप सबको धन्यवाद देता हूं इस अवसर पर आप इस कार्यक्रम में जुड़ कर अपने आप को धन्य कर रहे हैं, यह कार्यक्रम राजनीतिक कर्मकांड नहीं है, हमारी श्रद्धा का विषय है, आज हमारे प्रधानमंत्री श्रीमान नरेंद्र मोदी जी भी सबसे पहले दिल्ली स्थित गुरु रविदास जी विश्राम धाम मंदिर पहुंचे हैं और प्रेम से उन्होंने न केवल सत गुरु को प्रणाम किया बल्कि भजन भी सबके साथ बैठकर उन्होंने गाया, हमारे साथी लाल सिंह जी, प्रभु राम जी यह कह रहे थे कि कुछ लोगों ने इसे आलोचना का विषय बना दिया है, संत शिरोमणि गुरु रविदास जी सचमुच में अद्भुत संत थे। उनका भजन "प्रभु जी तुम चंदन हम पानी, जाकी अंग-अंग बास समानी" बचपन से मैं गाता रहा हूं और आज भी यह भजन मुझे बड़ी प्रेरणा देता है। ऐसे श्रेष्ठ संत, अद्भुत संत, जो सबके हैं, मैं उस कुल को प्रणाम करता हूं, जिस कुल में संत शिरोमणि रविदास जी ने जन्म लिया। चमड़े के बिना तो

किसी का काम चल ही नहीं सकता, हमारा जो शरीर है वह भी तो चमड़े का ही बना है, यह चमड़ा नहीं होता तो इसमें आत्मा कहां से रहती। सचमुच में इस कुल को प्रणाम, जहां संत शिरोमणि रविदास महाराज जी ने जन्म लिया। महान भक्त, साधक, तपस्वी, समाज सुधारक, श्रम पूजक, त्याग की मूर्ति रविदास जी भारत में हुए भारत धन्य हो गया, देश धन्य हो गया, अत्यंत प्राचीन और महान राष्ट्र है हमारा।

रविदास जी उस समय आए जब जात-पात, ऊंच-नीच, भेदभाव, छोटा बड़ा, समाज कहीं टुकड़ों में बटा था, संत शिरोमणि रविदास जी, सतगुरु कबीर दास जी महाराज, गुरु नानक देव, सेन जी महाराज, संत नामदेव जी महाराज, संतों की ऐसी परंपरा आई जिसने भारत की संस्कृति को सनातन धर्म को न केवल बचाया बल्कि आगे बढ़ाकर संस्कृति को जिंदा रखा। अद्भुत जीवन उनका, वह जिस परिवार में पैदा हुए उस पारिवारिक परंपरागत काम को बड़े आनंद के साथ करते थे। जूते बनाने का काम और जो भी कमाई होती थी संतों की सेवा में और लोगों की जरूरतमंदों की सेवा में लगा देते थे, परिवार को पिताजी को थोड़ी चिंता हुई, कि यह तो जितना कमाता है उतना ही लगा देता है। एक दिन एक साधु के साथ चले गए और 4 दिन बाद लौटे। माता-पिता ने सोचा के रविदास कही घर ही न छोड़ दे, उन्होंने सोचा चलो विवाह कर दिया जाए, लोनी देवी से उनका विवाह हुआ, लेकिन जैसे त्यागी पति थे वैसे ही पत्नी मिल गई और वह उनकी भक्ति में साधक बन गई। जो कमाते थे लोगों की सेवा में लगा देते थे, पिताजी ने अलग कर दिया, शायद जो जिम्मेदारी का भाव आये यह तो जो भी कमाता है सब बांट देता है। अपनी झोपड़ी में मस्त संत रविदास जी, भगवान की भक्ति और जूते बनाने का काम, चारों तरफ उनकी भक्ति का प्रकाश फैलने लगा।

एक दिन एक साधु आए, रविदास जी को उन्होंने बड़े आदर सहित नमस्कार किया और कहा भक्त शिरोमणि से मिलने भी आया हूं और चलते-चलते मेरे जूते का तला उखड़ गया, तो सोचा चलो ठीक भी करवा ले। संत रविदास जी भगवान ने उनको आदर के साथ बिठाया जूते का तला ठीक किया और वापस दिया। साधु ने पूछा कि इसका क्या दूं, रविदास जी बोले अरे जो देना है दे दे। साधू ने एक पत्थर निकाला और कहा यह रख लीजिए। उन्होंने कहा यह क्या है, साधू बोला पारस है, यह लोहे को छू दो तो सोना बन जाए। रविदास जी ने कहा मुझे नहीं चाहिए मैं क्या करूंगा इसका, बगल में रापी रखी थी रापी से छूआया तो पता चला रापी सोना बन गई। रविदास जी ने कहा यह नहीं चाहिए सोने की रापी से थोड़े ही मेरा काम होगा। साधू बोले अब काम करने की जरूरत क्या है, आप तो जिस चीज से लगाएंगे वह सोना बन जाएगी, आपको काम करने की जरूरत क्या है। रविदास जी ने कहा कि मैं पसीने को प्रणाम करता हूं, पसीने का ही खाता हूं, बिना श्रम के खाना में पाप समझता हूं, इसलिए ऐसा उपहार लेकर मैं क्या करूंगा, उन्होंने इंकार कर दिया। साधु ने उनके घर के छप्पर में खोंस दिया, बोले देखो अगर जरूरत पड़े तो प्रयोग करना, साधु चले गए, बाद में कुछ दिनों बाद लौटे, तो रविदास जी अपनी मस्ती में मस्त वैसे ही झोपड़ा, उन्होंने कहा रविदास जी आपका घर तो बिल्कुल नहीं बदला। अरे अपने काम में मस्त हैं, भक्ति में मस्त हैं, वह बोले वह कहां गया जो मैंने दिया था। उन्होंने कहा आप ही देख लो जहां खोसा होगा वही ठूसा होगा। बाद में साधु ने देखा पत्थर वहीं पर था, धूल लगी थी उसमें, हाथ तक नहीं लगाया, सचमुच में अद्भुत, बाद में फिर उनके सपने में यह बात आई कि आपको किसी चीज की जरूरत नहीं है लेकिन

साधु सेवा के लिए अगर कुछ मिल जाए तो उसका उपयोग करना तो कहने लगे 5 अशर्फी उनको सवेरे मिली, उसको भी उन्होंने सत्संग वन भवन में लगाकर काम में लगा दिया। अद्भुत संत थे, एक पुजारी जी जा रहे थे हर पूर्णिमा में राजा की पूजा करने गंगा जी में जाते थे, तो पुजारी जी के जूते भी खराब हो गए तो कील ठोक कर ठीक कर दिया और उसने भी पूछा कि क्या दूं, बोले ऐसा करो यह सुपारी है रविदास जी ने भेजी है इसको स्वीकार करें। एक हाथ उठा जल के अंदर से सुपारी स्वीकार की और फिर बाहर आया तो एक अनुपम कंगन हाथ में रखा था। बोले जाओ संत रविदास जी को दे देना, लेकिन मन थोड़ा बदल गया, कहा इतना अनुपम कंगन रविदास जी के बजाय राजा को दे दे तो पता नहीं कितने उपहार देंगे। राजा कंगन देखकर प्रसन्न हुआ उन्होंने रानी को दे दिया, अब रानी ने एक कंगन तो पहन लिया लेकिन दासी ने कहा दूसरा और होता तो आनंद आ जाता। अब दूसरा कंगन कहा तो वही बुलाए गए जिन्होंने पहला कंगन दिया था, कहा जब पहला लाए तो दूसरा भी लाओ। दूसरा कंगन लाएं कैसे, राजा के खौफ का डर, तो फिर संत रविदास जी के पास गए और कहने लगे आप ही बचाओ महाराज से, गलती हो गई वह कंगन गंगा जी ने दिया था आपके लिए मैंने वहां पर दे दिया, तो वही उनकी कटौथी रखी थी, उसमें हाथ डाला अचानक पानी साफ हो गया और वैसा का वैसा कंगन उस पानी में से निकल आया। मन चंगा तो कटौथी में गंगा, अब राजा को भी पता लगा एक नहीं ऐसी अनेकों घटनाएं, अभी महाराज जी बता रहे थे अनेकों राजा उनके भक्त थे, सचमुच में अद्भुत संत।

संत रविदास जी कहते थे तीन चीजें उन्होंने हमें सिखाई, नाम मतलब भगवान की भक्ति, काम मतलब मेहनत करके खाना और जो कमाई करें उसको लोगों की सेवा में लगाओ।

आज मुझे कहते हुए गर्व है हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास, ऐसे भारत को बनाने में लगे हुए हैं और मैं हमारी सरकार भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश की इसी भाव से सब की सेवा में लगी हुई है। ऐसा चाहूं राज्य में जहां मिले सभी को अन्न, ऐसे ही राज्य बनाने की कोशिश करेंगे, सतगुरु हमें आशीर्वाद दे, शक्ति दे, सामर्थ्य दे, ताकि हम सफल हो पाए, एक के बाद एक काम उसी दिशा में कर रहे हैं, क्या संत थे रविदास, जो हमें प्रेरणा से भर देते हैं।

श्रम की प्रतिष्ठा के लिए जो उन्होंने काम किया वह अद्भुत है, इसलिए आज इस पवित्र अवसर पर, हम यह फैसला कर रहे हैं, कि भोपाल गोविंदपुरा में एक बहुत बड़ा ग्लोबल स्किल पार्क सैकड़ों करोड़ रुपए की लागत से बन रहा है, जो सिंगापुर सरकार के साथ मिलकर बना रहे हैं। वहां श्रम की पूजा होगी, हजारों नौजवान काम सीखने जाएंगे, इस स्तर के काम सिखाएंगे कि तत्काल उनको रोजगार मिल जाएगा। इस ग्लोबल स्किल पार्क का नाम संत शिरोमणि रविदास जी महाराज ग्लोबल स्किल पार्क रखा जाएगा।

मेरे प्रिय बहनों और भाइयों, जो बात संत रविदास जी ने कही कोई भूखा न रहे और यह एक के बाद एक कई चीजें सोचकर हम कर रहे, भूखा नहीं रहने के लिए राशन चाहिए। मध्यप्रदेश के सब गरीबों की तरफ से मैं प्रधानमंत्री जी को बहुत धन्यवाद देता हूं मार्च तक तो प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत निशुल्क अन्न, मध्यप्रदेश में हमने तय किया है कि अनुसूचित जाति का कोई भी व्यक्ति वंचित नहीं रहेगा, मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना इसलिए चला रहे हैं। एक बात और

आज तय कर रहे हैं भंडारा भोजन कराना। कभी संत रविदास जी ने किसी को भूखा नहीं जाने दिया, इसलिए मध्यप्रदेश के कितने शहर हैं अभी दीनदयाल रसोई कुछ जगह चलती है, लेकिन व्यापक पैमाने पर भोजन कराने के लिए हम इसका विस्तार करेंगे, कोई भूखा न रहे यह हमारे लिए आदर्श वाक्य है।

हमारी कोशिश होगी सड़क पर कई बच्चे ऐसे आते हैं कि हमें दीन हीन दिखाई देते हैं, कोई भीख भी मांगता है, हमारी कोशिश होगी कि मध्यप्रदेश में ऐसे दृश्य उपस्थित न हो। सबको अन्न से लेकर आवास तक की व्यवस्था करें, ऐसी योजना पर हम काम करेंगे। कोई बच्चा अनाथ नहीं रहेगा। संत रविदास जी के देश में कोई बच्चा अनाथ कैसे रह सकता है। सरकार उनके भोजन, उनकी पढ़ाई, उनके वस्त्र, उसकी व्यवस्था का इंतजाम करेगी। अन्न का मतलब केवल अन्न नहीं है, जिंदगी की न्यूनतम आवश्यकताएं पूरी होनी चाहिए। इसलिए जितने परिवार ऐसे हैं जो कच्ची झोपड़ी में रहते हैं अनुसूचित जाति के सब परिवार, बाकी गरीब परिवार भी आज हम संकल्प ले रहे हैं कि सब को झोपड़ी की जगह पक्का मकान बनाने के लिए राशि दी जाएगी, कोई वंचित नहीं रहेगा। डॉक्टर प्रभु राम जी बैठे हैं हम लोग गए थे टीकमगढ़-निवाड़ी जिले में, कुछ लोग मिले उन्होंने कहा रहने की जगह नहीं है, छोटे से मकान में कई परिवार रह रहे हैं, तब तय किया था। आज फिर दोहरा रहा हूं, गरीब विशेषकर अनुसूचित जाति परिवार, अगर एक छोटे से घर में कई परिवार रह रहे हैं, रहने को दूसरी जगह नहीं है तो हमारा संकल्प है कि ऐसे परिवार को अलग जमीन का पट्टा देकर उस जमीन का मालिक बनाकर उनका घर बनवाया जाएगा, ताकि वे भी चैन से रह सकें। बड़ा नहीं हो लेकिन पक्का मकान मिल जाए, मकान में शुद्ध पीने का पानी नल से जल, रसोई गैस हो, कनेक्शन हो, शौचालय हो, इज्जत और सम्मान से अपनी जिंदगी बसर करें। सभी को अन्न के साथ मकान भी चाहिए, शिक्षा की व्यवस्था भी चाहिए, मुझे आज बताते हुए गर्व है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने बच्चों की जिंदगी बदलने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। मैं आज आपको बताना चाहता हूं कि हमारे बच्चे मेडिकल कॉलेज में पढ़ रहे हैं, इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ रहे हैं। मैं फिर उद्घोषणा करता हूं कि जिन बच्चों का एडमिशन मेडिकल कॉलेज में, इंजीनियरिंग कॉलेज में, आईआईटी में, आईआईएम में विदेश की बढ़िया यूनिवर्सिटी में होगा, मेरे अनुसूचित जाति के बेटा-बेटियों से भी मैं कह रहा हूं कितनी भी फीस हो प्राइवेट कॉलेज की फीस मम्मी-पापा नहीं, मामा ही भरवाएगा। बिल्कुल चिंता मत करना। मुझे बताते हुए खुशी है यह केवल कोरी बात हम नहीं कर रहे अर्पित सिंह है टीकमगढ़ के एमबीबीएस कर रहे हैं 12 लाख 5 हज़ार रुपया उनकी फीस हम भर रहे हैं, कुमारी भूमिका खंडवा की 9 लाख 35 हज़ार है यह पूरी सूची है, हम मेडिकल की फीस भर रहे हैं, इंजीनियरिंग की फीस भर रहे हैं, कंप्यूटर इंजीनियरिंग की फीस भर रहे हैं, आईटी इंजीनियरिंग की फीस भर रहे हैं, एमबीए की भर रहे हैं। विदेशों में पढ़ने के लिए कुमारी सोनम टैगोर मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन ब्रिटेन में 1 साल की फीस है 45 लाख 71 हज़ार रूपये हम सरकार के खजाने से भर रहे हैं। पुष्कर ऑस्ट्रेलिया में पढ़ रहे हैं 55 लाख 48 हज़ार उनकी फीस है। मेरे बच्चों चिंता मत करना, पढ़ते जाना, देश में पढ़ो, विदेश में पढ़ो, फीस भरवाने की चिंता मामा करेगा, भारतीय जनता पार्टी की सरकार करेगी तुमको पढ़ते रहना है, तुमको बढ़ते रहना है। मिले सभी को अन्न में शिक्षा भी शामिल है। एक नहीं अनेकों स्कॉलरशिप की योजना उसके विस्तार में मैं नहीं

जाना चाहता, किताबें, साइकिल, कन्या साक्षरता प्रोत्साहन योजना में अगर हमारी बेटियां 11वीं में एडमिशन लेती हैं तो 3000 रूपये अलग से देते हैं। सिविल परीक्षा की तैयारियों के लिए, नई दिल्ली में निजी कोचिंग संस्थानों में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रशिक्षण शुल्क और आवास और भोजन की व्यवस्था करते हैं।

महर्षि वाल्मीकि प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत एससी के विद्यार्थियों को आईआईटी, एनआईटी, एनडीए, नीट की परीक्षाओं में सफल होकर राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं में प्रवेश लेने में प्रोत्साहन की राशि देते हैं, मेरे बेटे बेटियों एक नहीं अनेकों योजनाएं हैं।

मुझे कहते हुए बहुत खुशी है ज्ञानोदय विद्यालय़ मध्य प्रदेश में 10 ज्ञानोदय विद्यालय चला रहे हैं। इनका परिणाम 100% रहा है, उन्हीं में से 98.80 प्रतिशत विद्यार्थी फर्स्ट क्लास में पास हुए हैं, और 12वीं में इनका परिणाम भी 100% रहा है 98. 20% विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में पास हुए हैं, तो और बेहतर व्यवस्था जो कर सकते हैं करने का प्रयास करेंगे, शिक्षा में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

शिक्षा के साथ जरूरत है रोजगार की, एक नहीं ऐसी अनेकों योजनाएं, हमारी चिंता है रोजगार की, ऐसी बस्तियों का विकास, वहां संपूर्ण विकास के काम एस.सी बहुल बस्तियों में अधोसंरचना का विकास के लिए अलग से धनराशि, रोजगार उन्मुख योजनाओं की व्यवस्था, योजना अनेकों हैं लेकिन आज इसमें हम कुछ और जोड़ रहे हैं।

आज हम यह फैसला कर रहे हैं, कि संत रविदास स्व-रोजगार योजना, संत रविदास जी के नाम पर प्रारंभ करेंगे, योजना का संचालन अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम करेगा। हमारे जो बच्चे मैन्युफैक्चरिंग इकाई 1 लाख से लेकर 50 लाख रूपये तक खोलना चाहते हैं, उनके लोन की गारंटी लेंगे, लोन दिलवाएंगे और पांच परसेंट ब्याज का अनुदान भी उनको दिया जाएगा। ताकि बच्चे अपनी इकाइयां खड़े कर सके। सर्विस सेक्टर और रिटेल ट्रेड के लिए संत रविदास स्व-रोजगार योजना के अंतर्गत 25 लाख रूपये तक का लोन जिसकी गारंटी सरकार लेगी और 5 परसेंट ब्याज भी सरकार भरेगी। इस योजना के अंतर्गत भी हजारों बच्चे सर्विस सेक्टर और रिटेल में आगे आकर अपना खुद का काम धंधा शुरू करेंगे। बैकलॉग के पद तेजी से भरे जा रहे हैं, शासकीय सेवा में जितना अवसर हो सकता है बैकलॉग के पद भरकर वह भी देंगे। इसके साथ हम मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति विशेष परियोजना वित्त पोषण योजना प्रारंभ कर रहे हैं। इस योजना के अंतर्गत हमारे अनुसूचित जाति के युवाओं को स्वरोजगार, कौशल उन्नयन नवाचार और अन्य विशेष संबंधी परियोजनाओं के लिए 2 करोड़ रुपए तक का अनुदान दिया जाएगा। विशेष परियोजना में जो बच्चे हमारे पढ़ रहे हैं, मैं उन बच्चों से कहना चाहता हूं, जिनके पास इनोवेटिव आइडिया है वह आगे आए मामा तुम्हारे साथ है भारतीय जनता पार्टी की सरकार तुम्हारे साथ है।

डॉक्टर भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना भी हम प्रारंभ कर रहे हैं, यह कम लागत के उपकरण और कार्यशील पूंजी की जरूरत है। उसके लिए 1 लाख रूपए के लोन की गारंटी सरकार लेगी और 7 परसेंट ब्याज भी सरकार भरवाने का काम करेगी।

प्रदेश के सभी अनुसूचित जाति बाहुल्य जिलों में जहांजहां आवश्यकता होगी, ऐसे क्षेत्रों में संत रविदास सामुदायिक भवनों का निर्माण करवाया जाएगा। ताकि हमारे सार्वजनिक कार्यक्रम और व्यवस्थित हो सके। विशेष रुप से रोजगारमूलक ट्रेड में रहकर वहीं आवासी कौशल उन्नयन प्रशिक्षण

उपलब्ध कराने के लिए हमने एक योजना बनाई है। इसी साल उसमें 32 करोड़ रुपए की राशि दी जाएगी। जहां बच्चे रहेंगे उनके भोजन की व्यवस्था, आवास की व्यवस्था के साथ काम सीखेंगे और प्लेसमेंट होगा।

अनुसूचित जाति के बेटे और बेटियों को सेना और पुलिस में भर्ती के लिए पहले से कोचिंग और ट्रेनिंग की जरूरत होती है। इसके लिये प्रशिक्षण देने की अलग से व्यवस्था की जाएगी। साथ ही अनुसूचित जाति वर्ग से CBSC और अंग्रेजी माध्यम के उच्च गुणवत्ता वाले विद्यालयों को खोलने के लिए सामाजिक संस्थाओं को भूमि और आर्थिक प्रोत्साहन दिया जाएगा। इस कार्य के लिये लोग आगे आए, हम ऐसे स्कूल के लिए भूमि भी देंगे और अधिक सहायता भी देंगे।

नगरीय विकास प्राधिकरण में कई बार व्यवसायिक प्लाट अधिक राशि के कारण उसके आवेदन प्राप्त नहीं होते हैं। इसलिए 3 बार से अधिक आवेदन नहीं आने पर व्यवसायिक प्लाट का आकार छोटा करके आवेदन लिए जाएंगे ताकि अपने वर्ग के लोग व्यवसायिक काम के लिए भूमि ले सके, इसको भी हम करेंगे।

आज बड़ी संख्या में हमारी बहने जुड़ी हुई हैं। आजीविका मिशन स्व- सहायता समूह की बहनों के लिये बना है। उनके उत्पादों को जेम पोर्टल पर उपलब्ध कराया जाएगा। शासकीय कार्यालयों में उपयोग आने वाले उत्पादों को 30% इन समूहों से खरीदा जाएगा, ताकि इनको और अधिक आर्थिक मजबूती मिल सके।

मेरे बहनों भाइयों, बेटा बेटियों, यह भावना थी संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की, उसके अनुरूप वैसे सबको लेकर लेकिन समाज के कमजोर बहनों और भाइयों को हर तरह से शासकीय प्रोत्साहन दिया जाएगा। हमारे अलग-अलग कारीगर अलग-अलग कई तरह की जातियां, श्रम मूल्य काम करती हैं, उनके लिए भी योजनाएं बनाने का हम काम करेंगे।

आज मैं फिर पूरे प्रदेश के सभी भाइयों बहनों से कहना चाहता हूं, संत रविदास जी महाराज भारत की अनमोल धरोहर हैं। उनके बताए रास्ते पर हम चलेंगे और जैसा विधायक जी कह रहे थे कि संत रविदास जी का जो मंदिर वहां बना है जो भी आवश्यकता होगी समाज के साथ मिलकर कैसे और बेहतर धाम बने। मैहर में लाल सिंह जी कह रहे थे संत रविदास जी का भव्य मंदिर बनाने का प्रयास हुआ, यहां पर भी बनेगा और बाकी स्थानों पर भी, यह कर्त्तव्य है हमारा, बाकी स्थानों पर भी जहां आवश्यकता होगी मंदिरों का जीर्णोद्धार भी करवाया जाएगा। तेरा तुझको अर्पण क्या लागे मेरा। संत रविदास जी महाराज आपने हमको नई राह दिखाई और अगर श्रद्धा सहित हम कुछ कार्य पाएं तो हमारा जीवन सफल सार्थक और धन्य हो जाएगा। मुझे तकलीफ है आज मैं कार्यक्रम में नहीं पहुंच पाया। लेकिन संत रविदास के आदर्शों पर चल कर हम इस सरकार को चलाएंगे और सबका विशेषकर गरीबों का संपूर्ण कल्याण कर ही चैन की सांस लेंगे। इसी के लिए हमारी सरकार समर्पित रहेगी। आप सबको जो प्रदेश में आज हर पंचायत, हर नगर और हर जिले में जुड़े भोपाल में जुड़े सब बहनों- भाइयों को मैं प्रणाम करता हूं धन्यवाद देता हूं....

.....